REGISTERED No. D-(D)-72



श्र-मधारण्

EXTRAORDINARY

সান II -- শ্রুত 3---- ব্রুত্ত (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 291]

नई दिल्ली, सोमवार, ग्रगस्त 4, 1975/श्रावण 13<mark>,</mark> 1897

No. 291]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 4, 1975/SRAVANA 13,1897

इस भाग में भिन्न पृट्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह इस्लग संकलन के क्य में रजा का सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed

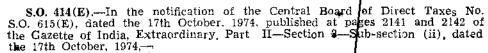
as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDA

INCOME-TAX

New Delhi, the 4th August, 1975



- (1) at page 2141,-
 - (i) in line 4, for "17th October 1974", read "17th October, 1974.";
 - (ii) in line 22, for "101.--", read "101,--";
- (2) at page 2142,—
 - (i) in line 7, for "banks", read "bank";
 - (ii) in line 9, for "bank being", read "bank, being";
 - (iii) in line 10, for "Reserve Bank of India, 1934", read "Reserve Bank of India Act, 1934";
 - (iv) in line 11, for "following", read "following"
 - (v) in line 12,—
 - (a) for "In" read "in";
 - (b) for "sections", read "section";

(1797)

- (vi) in line 15, for "In", read "in";
- (vii) in line 19, for "moneys;", read "moneys;";
- (viii) in line 26, for "matter", read "manner";
- (ix) in line 28, for "year.", read "year.";
- (x) in line 38, for "invesstible", read "investible".

[No. 1019/F. No. 142(6)/71-TPL1

O. P. BHARDWAJ,

Secretary, Central Board of Direct Taxes.

विल मंत्रालय

(शजस्य ग्रौ (बोमा विभाग)

হ্ট্রি-ংস

नई दिल्ली, 4 ग्रगस्त, 1975

का० आ० 415 (अ).—भारत के राजपन्न, ग्रसाधारण के भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (II). दिनांक 17 श्रक्तूबर, 1974 के पृष्ठ 2143 से 2145 तक प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर वीमा विभाग) की ग्रधिसूचना संख्या का० ग्राट 615(ग्र) में निम्नुलिखित संशोधन किये जायं:—

- पृथ्ठ 2143 पर पॅराग्राफ 2 (67) की श्राठवीं पंक्ति में 'धनों' के स्थान पर 'धन' पढ़; जाय ।
- 2 इसी पृष्ठ कें पैराग्राफ 2 (67) (।।) की पांचवीं पंक्ति में (1970 का 5) के वाद '', '' चिन्ह हटा दिया जाय तथा 'जो' के स्थान पर 'की' पढ़ा जाय।
- 3 इसी पृष्ठ की अन्तिम पंक्ति में विक के स्थान पर बैंक पढ़ा जाया।
- 4 पुष्ठ 2144 की प्रथम पंक्ति में 'बक' के स्थान पर 'बैंक' पढ़ा जाय ।
- 5 पृष्ठ 2145 के पंराप्राफ 4 (101) की तासरी पंक्ति में 'प्राद्भूत समस्त' के बाद ग्रौर 'भारत' सं पूर्व 'धन जोड़ दिया जाय ।
- 6. इसी पुराग्राफ की दसवीं पंक्ति में 'से के स्थान पर 'में' पढ़ा जाय-।
- 7 इसी पृथ्ठ की अंतिम पंक्ति के नीचे 'केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड जोड दिया जाब।

[सं० 1020/फा० सं० 142(6)/71-दी० पी० एल०]

स्रो० पी० भारद्वाज,

सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड ।